रामसर संधि

1. आर्द्रभूमि (Wetlands)

1.1. आर्द्रभूमि क्या है?

- आर्द्रभूमि वह क्षेत्र है जहाँ की भूमि पानी से ढकी होती है, यह पानी खारा या अलवण जल हो सकता है.
- यह वर्ष के कम से कम एक भाग के लिए पूरी तरह से पानी से ढका रहता है.
- आर्द्रभूमि एक संक्रमण क्षेत्र हैं, जिसका अर्थ है कि वे न तो पूरी तरह से शुष्क भूमि हैं और न ही पूरी तरह से पानी के नीचे हैं.
- वे अंटार्कटिका को छोड़कर हर महाद्वीप पर कई तरह की जलवायु में मौजूद हैं.

1.2. आर्द्रभूमि के महत्व

- **पानी की गुणवत्ता में सुधार:** आर्द्रभूमि प्राकृतिक जल शोधक और फ़िल्टरिंग तलछट के रूप में कार्य करते हैं. पानी के खुले क्षेत्र तक पहुँचने से पहले वे सतह के अपवाह से कई प्रदूषक पदार्थों को हटा देते हैं.
- **तटीय क्षति में कमी:** तटीय आर्द्रभूमियाँ बड़े तूफानों की बल को कम करने में मदद करती हैं. वे तूफानों के दौरान बाढ़, तटीय कटाव और संपत्ति के नुकसान को कम करने में मदद करते हैं.
- **बाढ़ नियंत्रण:** नदियों और जलधाराओं के पानी को संग्रहित करती है. इस प्रकार, वे अनुप्रवाह बाढ़ क्षति को कम करते हैं और आकस्मिक बाढ़ के जोखिम को कम करते हैं.
- **वन्यजीव आवास प्रदान करना:** आर्द्रभूमियाँ उभयचरों, सरीसृपों, पक्षियों और स्तनधारियों की कई प्रजातियों के लिए आवास प्रदान करती हैं जो विशिष्ट रूप से जलीय वातावरण के अनुकूल हैं.
- **पारिस्थितिक तंत्र उत्पादकता बनाए रखना:** आर्द्रभूमि में पर्यावरणीय परिस्थितियाँ जीवों के विकास के लिए आदर्श हैं, जो खाद्य जाल का आधार बनाते हैं. आर्द्रभूमियों के सूक्ष्म जीव, पौधे और वन्यजीव, नाइट्रोजन, जल और सल्फर के वैश्विक चक्र के हिस्से हैं.
- **कार्बन स्टोर करना**: आर्द्रभूमि कार्बन को कार्बन डाइऑक्साइड के रूप में वातावरण में छोड़ने के बजाय इसे अपने संयंत्र समुदायों और मिट्टी के भीतर स्टोर करते हैं.
- **आर्थिक लाभ:** इसमें आर्द्रभूमि से मिलने वाले इमारती लकड़ियां , पौधे और मछलियां शामिल है.

1.3. आर्द्रभूमि को खतरा

- **हाइड्रोलॉजिकल परिवर्तन:** ये परिवर्तन जल और प्रदूषक अपवाह को आर्द्रभूमि में बढ़ाते हैं. आर्द्रभूमि क्षेत्रों में सामान्य हाइड्रोलॉजिकल परिवर्तनों में भराव सामग्री का जमाव, जल निकासी को रोकना प्रवाह को मोड़ देना और जलविभाजन में अभेद्य सतहों को जोड़ना शामिल है.
- **प्रदूषण:** प्रदूषकों के स्रोत, जैसे कि तलछट, उर्वरक, मल, पशु अपशिष्ट, सड़क के लवण, कीटनाशक और भारी धातुएं आर्द्रभूमि की प्रदूषकों को अवशोषित करने की प्राकृतिक क्षमता को पार कर सकता है और दुर्दशा का कारण बन सकता है.

- **वनस्पति क्षति:** जलीय परिवर्तन और प्रदूषण आर्द्रभूमि के पौधों को क्षति पहुंचाते हैं. अन्य गतिविधियाँ जो आर्द्रभूमि के वनस्पति को ख़राब कर सकती हैं, उनमें घरेलू पशुओं द्वारा चराई, गैर-देशी पौधों के प्रवेश और पीट खनन के लिए वनस्पति को हटाना शामिल है.
- **आक्रामक प्रजातियों का प्रवेश:** यह या तो जानबूझकर या अनजाने में प्रविष्ट होते हैं और फिर , देशी पौधों पर दबाव डाल सकते है और अंततः उन्हें उनके मूल आवास से बाहर कर सकते है.

2. रामसर संधि (Ramsar Convention)

2.1. रामसर संधि क्या है?

- यह एक अंतर-सरकारी संधि है जो आर्द्रभूमि और उनके संसाधन के संरक्षण और सतत उपयोग के लिए राष्ट्रीय कार्रवाई और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के लिए संरचना प्रदान करता है.
- इसका नाम ईरान के रामसर शहर के नाम पर रखा गया है.
- यह एकमात्र वैश्विक पर्यावरण संधि है जो एक विशेष पारिस्थितिकी तंत्र से संबंधित है, और अभिसमय के सदस्य देशों ने दुनिया के सभी भौगोलिक क्षेत्रों को शामिल किया हैं.

2.2. रामसर संधि में आर्द्रभूमि की परिभाषा

- अभिसमय अपने मिशन में शामिल वेटलैंड्स के प्रकारों की व्यापक परिभाषा का उपयोग करता है, जिसमें शामिल हैं
    - झीलें और नदियाँ,
    - दलदल, गीले घास के मैदान और पीटलैंड,
    - ज्वारनदमुख, डेल्टा और ज्वारीय फ्लैट,
    - निकट-तटीय समुद्री क्षेत्र, मैंग्रोव और प्रवाल भित्तियाँ, और
    - मानव निर्मित स्थल जैसे मछली के तालाब, धान के खेत, जलाशय और नमक के मैदान.

2.3. स्वीकरण और मुख्यालय

- 2 फरवरी, 1971 को रामसर में एक बैठक में भाग लेने वाले देशों द्वारा संधि को विकसित और अपनाया गया और **21 दिसंबर, 1975 को यह लागू हुआ.**
- प्रत्येक वर्ष **2 फरवरी को विश्व आर्द्रभूमि दिवस** मनाया जाता है.
- इसका मुख्यालय **ग्लैंड, स्विट्जरलैंड** में स्थित है, जिसे IUCN के साथ साझा किया गया है.

2.4. अनुबंध पार्टियों का सम्मेलन

- अनुबंध पार्टियों के सम्मेलन (COP) में, रामसर अभिसमय के हस्ताक्षरकर्ता हर तीन साल में मिलते हैं.
- पहला COP 1980 में कालियरी, इटली में आयोजित किया गया था.
- मूल सम्मेलन में संशोधन पर पेरिस, फ्रांस (1982 में) और रेजिना, कनाडा (1987 में) में सहमति हुई.
- COP 14 चीन के वुहान में 2022 में हुआ था.
- COP15 जुलाई 2025 में विक्टोरिया फॉल्स, जिम्बाब्वे में आयोजित की जाएगी।

2.5. रामसर स्थल

- 172 रामसर अनुबंधित पार्टियों के क्षेत्रों में 2,513 रामसर स्थल हैं.
- इनका कुल क्षेत्र 257,257,413 hectares है।
- स्थलों की सबसे अधिक संख्या वाला देश यूनाइटेड किंगडम है जबकि सूचीबद्ध आर्द्रभूमि का सबसे बड़ा क्षेत्रफल वाला देश बोलीविया है, जिसमें लगभग 148,000 वर्ग किलोमीटर है.

2.6. मॉन्ट्रेक्स रिकॉर्ड

- यह अंतर्राष्ट्रीय महत्व की आर्द्रभूमियों की सूची में आर्द्रभूमि स्थलों का एक रजिस्टर है, जहां तकनीकी विकास, प्रदूषण या अन्य मानवीय हस्तक्षेप के परिणामस्वरूप पारिस्थितिक चरित्र में परिवर्तन हुए हैं, हो रहे हैं, या होने की संभावना है.
- यह रामसर सूची के भाग के रूप में शामिल है.
- वर्तमान में, भारत के दो आर्द्रभूमि मॉन्ट्रेक्स रिकॉर्ड में शामिल हैं: **केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान (राजस्थान)** और **लोकतक झील (मणिपुर).**

2.7. अंतर्राष्ट्रीय संगठन भागीदार

रामसर कन्वेंशन **छह संगठनों** के साथ मिलकर काम करता है जिन्हें अंतर्राष्ट्रीय संगठन भागीदार (IOPs) के रूप में जाना जाता है. ये हैं:

1. बर्ड लाइफ इंटरनेशनल
2. अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (IUCN)
3. अंतर्राष्ट्रीय जल प्रबंधन संस्थान (IWMI)
4. वेटलैंड्स इंटरनेशनल
5. विश्व वन्यजीव कोष (WWF)
6. इंटरनेशनल वाइल्डफॉल एंड वेटलैंड्स ट्रस्ट (WWT)

भारत में रामसर स्थलों की सूची

अगस्त 2024 तक, भारत में 85 रामसर स्थल हैं, जो लगभग 13,32,746.24 हेक्टेयर क्षेत्र में फैले हुए हैं। **ये आर्द्रभूमियाँ रामसर कन्वेंशन के तहत "अंतरराष्ट्रीय महत्व" की मानी जाती हैं**।

तमिलनाडु में भारत में सबसे अधिक रामसर स्थलों की संख्या है, जिसमें 18 स्थल शामिल हैं।

परिभाषा और महत्व

2017 के आर्द्रभूमि (संरक्षण और प्रबंधन) नियमों के अनुसार, भारतीय सरकार की आर्द्रभूमियों की परिभाषा में नदी चैनल, धान के खेत और वाणिज्यिक गतिविधियों के लिए उपयोग किए जाने वाले क्षेत्र शामिल नहीं हैं।

आर्द्रभूमियों के लिए भारत में खतरे

डब्ल्यूडब्ल्यूएफ-इंडिया के अनुसार, आर्द्रभूमियाँ भारत में सबसे अधिक खतरे में पड़े पारिस्थितिक तंत्रों में से एक हैं। प्रमुख खतरों में शामिल हैं:

1. वनस्पति की हानि
2. लवणीकरण
3. अत्यधिक जलभराव
4. जल प्रदूषण
5. आक्रामक प्रजातियाँ
6. अत्यधिक विकास और सड़क निर्माण

भारत में रामसर स्थलों की वृद्धि

2014 तक, भारत में 26 रामसर स्थल थे। 2014 से अगस्त 2024 तक, देशभर में 59 नए रामसर स्थल जोड़े गए।

रामसर स्थलों का वितरण

यह वितरण 23 राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों में फैला हुआ है:

- तमिलनाडु (18 स्थल)
- उत्तर प्रदेश (10 स्थल)
- ओडिशा और पंजाब (6-6 स्थल)
- जम्मू और कश्मीर (5 स्थल)
- गुजरात, कर्नाटक और मध्य प्रदेश (4-4 स्थल)
- बिहार, हिमाचल प्रदेश, केरल और महाराष्ट्र (3-3 स्थल)
- हरियाणा, लद्दाख, राजस्थान और पश्चिम बंगाल (2-2 स्थल)
- आंध्र प्रदेश, असम, गोवा, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, और उत्तराखंड (1-1 स्थल)

State/UT	No. of Sites	Names of Sites
Andhra Pradesh	1	Kolleru Lake
Assam	1	Deepor Beel
Bihar	3	Kanwar Lake, Nagi Bird Sanctuary, Nakti lake
Goa	1	Nanda Lake
Gujarat	4	Khijadiya, Nalsarovar, Thol Lake, Wadhvana Wetland
Haryana	2	Sultanpur National Park, Bhindawas Wildlife Sanctuary
Himachal Pradesh	3	Chandra Taal, Pong Dam Lake Wildlife Sanctuary, Renuka Lake
Jammu and Kashmir	5	Hokersar Wetland, Hygam Wetland Conservation Reserve, Shallabugh Wetland, Mansar-Surinsar Wildlife Sanctuary, Wular Lake
Karnataka	4	Ranganathittu Bird Sanctuary, Ankasamudra Bird Conservation Reserve, Aghanashini Estuary, Magadi Kere Conservation Reserve

Kerala	3	Ashtamudi Wetland, Sasthamkotta Lake, Vembanad-Kol Wetland
Ladakh	2	Tso Kar, Tsomoriri Lake
Madhya Pradesh	5	Bhoj Wetland, Sakhya Sagar, Sirpur Lake, Yashwant Sagar, Tawa Reservoir
Maharashtra	3	Lonar Lake, Nandur Madhameshwar, Thane Creek
Manipur	1	Loktak Lake
Mizoram	1	Pala Wetland
Odisha	6	Ansupa Lake, Bhitarkanika Mangroves, Chilika Lake, Hirakud Reservoir, Satkosia Gorge, Tampara Lake
Punjab	6	Beas Conservation Reserve, Harike Wetland, Kanjli Wetland, Keshopur-Miani Community Reserve, Nangal Wildlife Sanctuary, Ropar Wetland
Rajasthan	2	Keoladeo National Park, Sambhar Lake
Tamil Nadu	18	Chitrangudi Bird Sanctuary, Gulf of Mannar Marine Biosphere Reserve, Kanjirankulam Bird Sanctuary, Karaivetti Bird Sanctuary, Karikili Bird Sanctuary, Koonthankulam Bird Sanctuary, Longwood Shola Reserve Forest, Pallikarnai Marsh Reserve Forest, Pichavaram Mangrove, Point Calimere Wildlife and Bird Sanctuary, Suchindram Theroor Wetland Complex, Udhayamarthandapuram Bird Sanctuary, Vadavur Bird Sanctuary, Vedanthangal Bird Sanctuary, Vellode Bird Sanctuary, Vembannur Wetland Complex, Nanjarayan Bird Sanctuary, Kazhuveli Bird Sanctuary
Tripura	1	Rudrasagar Lake
Uttar Pradesh	10	Bakhira Sanctuary, Haiderpur Wetland, Nawabganj Bird Sanctuary, Parvati Arga Bird Sanctuary, Saman Bird Sanctuary, Samaspur Bird Sanctuary, Sandi Bird Sanctuary, Sarsai Nawar Jheel, Sur Sarovar, Upper Ganga River
Uttarakhand	1	Asan Barrage
West Bengal	2	East Kolkata Wetlands, Sundarban Wetland

Ramsar Sites of India

३. वेटलैंड्स इंटरनेशनल

- यह एकमात्र वैश्विक गैर-लाभकारी संगठन है जो आर्द्रभूमि के संरक्षण और बहाली के लिए समर्पित है.
- जल पक्षी के संरक्षण पर ध्यान केंद्रित करते हुए इंटरनेशनल वाइल्डफॉल इंक्वायरी की स्थापना 1937 में की गई थी. बाद में इसका नाम बदलकर अंतर्राष्ट्रीय जलपक्षी और आर्द्रभूमि अनुसंधान ब्यूरो कर दिया गया.
- 1991 में, दो और संगठन (एशियाई आर्द्रभूमि ब्यूरो और अमेरिका के लिए आर्द्रभूमि) अंतर्राष्ट्रीय जलपक्षी और आर्द्रभूमि अनुसंधान ब्यूरो में शामिल हो गए.
- 1996 में, इन तीन संगठनों को वेटलैंड्स इंटरनेशनल बनाने के लिए विलय कर दिया गया.
- इस संस्था का मुख्यालय नीदरलैंड में है.

4. आर्द्रभूमि संरक्षण और प्रबंधन केंद्र Centre for Wetland Conservation and Management (CWCM)

- 2 फरवरी, 2021 को विश्व आर्द्रभूमि दिवस के अवसर पर भारत में आर्द्रभूमि संरक्षण और प्रबंधन केंद्र स्थापित किया गया.
- यह पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के तहत काम कर रहे राष्ट्रीय सतत् तटीय प्रबंधन केन्द्र (National Centre for Sustainable Coastal Management- NCSCM), चेन्नई का एक हिस्सा है.
- इस केंद्र का उद्देश्य भारत की आर्द्रभूमि के संरक्षण, बहाली है